प्रेस विज्ञप्ति 24/09/2021

हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा वर्चुअल माध्यम से आज साहित्य वार्ता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 'कोविड-19 के दौर में अध्ययन-अध्यापन में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के शिक्षण पर प्रभाव' विषय पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के अनुभवों एवं विचारों पर खुली वार्ता रखी गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हिंदी विभाग की एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. गौरी त्रिपाठी ने अपने अनुभव को साझा किया साथ ही विद्यार्थियों के विचारों पर अपनी बात रखी। विभाग के अन्य शिक्षकों में विभाग के सहायक प्राध्यापक मुरली मनोहर सिंह एवं डॉ. रमेश कुमार गोहे ने भी अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम में जुड़े विद्यार्थियों में से शुभंकर महापात्रा (बायोटेक्नोलॉजी विभाग), कुनाल(वनस्पति विज्ञान), आकाश तिवारी (अंग्रेजी), दिनेश कुमार नवरंग (जनसंचार एवं पत्रकारिता), रेखराम साहू (हिंदी), राम सिंह (पत्रकारिता विभाग) ने कोरोना काल के दौरान वर्चुअल माध्यम से शिक्षण में होने वाली दिक्कतों को बताया साथ ही यह भी बताया कि जिन विषयों में सैद्धान्तिक अध्ययन के साथ प्रेक्टिकल किया जाता है उन सभी विषयों के विद्यार्थियों को इस दौरान पढाई में काफी नुकसान हुआ है। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. अखिलेश गुप्ता; डॉ. लोकेश कुमार उपस्थित रहें। विद्यार्थियों में हिंदी, पत्रकरिता, अंग्रेजी, वनस्पति विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी सहित अन्य विभागों के लगभग 40 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में मार्गदर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवेन्द्रनाथ सिंह सर का रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शोभा बिसेन ने एवं धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक प्राध्यापक मुरली मनोहर सिंह ने किया। तकनीकी सहयोग कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रमेश कुमार गोहे जी का रहा।

डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग

Scanned with CamScanner